मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

पटना, 15 जनवरी, 2008 ▯ सप्ताहिक ▯ अंक-1 ▯ साल-1 ▯ इनटरनेट संस्करण ▯ पेज-6 ▯ मूल्य- दू टाका

एकटा महाराज जे उद्यमी
हेबाक पहिल प्रयास केलाह

आखिर कियेक नहि बनल
मैथिली में विवाह अइसन सिनेमा

हाजिर छी हम

अपन बोली मे ल के गाम–घरक हाल–समाचार

समदिया

जखन कोनो नव पत्र संसार मे प्रवेश करबाक साहस करैत अछि, त इ साधारण नियम अछि जे ओ अपन उद्देश्य बतावे. सारांश इ जे प्रत्येक पत्र के क्षमाप्रार्थीक रूप मे आवय पड़ैत छैक. हम एहि परंपरा के तोड़बाक साहस नहिं क सकैत छी. आइ मकर संक्रांति थिक. अइ पावन अवसर पर हमरा जे किछु कहबाक अछि कहि रहल छी. हमर पत्र तत्काल साप्ताहिक थिक, मुदा सीताक जनम दिन अर्थात सीता नवमी स एकरा प्रतिदिन करबाक विचार अछि. अहांक सहयोग भेटल त इ कागजो पर उतरत. एहि अखबार मे संसार मे होयवाला सब तरहक घटनाक जानकारी देबाक प्रयास रहत, मुदा हमरा मे तत्काल इ गप कहबाक साहस नहि अछि कि एकर सबटा समाद अहांके उचिते लगात. हम एकरो गारंटी नहि लेब कि हम सबटा सत्य अहां तक पहुंचायब. सूचना क्रांतिक एहि युग मे किछु समस्याक हल समयक संग होयत. जहिया जेहेन जरूरत होयत हम अहां तक पहुंचब. कहबाक मतलब इ जे हम कोनो एकटा अंकक जिम्मेदारी एक बेर मे लेब. हमरा जे भेटत अहां तक पहुंचत. हम बस समदियाक काज करब. एहि कारण इ पत्रक नाम समाद अछि.

दोसर प्रश्न इ जे समादक जनम कियेक भ रहल अछि. हिंदी आ अंगरेजी मे अनेक पत्र बाजार मे अछि. टीवी आ रेडियो सेहो चलि रहल अछि. इंटरनेट पर बिहार स जुड़ल सामग्री भरल अछि. एकर बावजूद समाद कियेक? की हम कुंठा मे अखबार निकालि रहल छी. या मैथिली मे बाजार स धन लेबा मे आसानी छैक? ऐहन किछु नहि छैक. नहि हम कुंठग्रस्त छी आ नहि हम बाजार स धन लेबाक इच्छा रखैत छी. हमर इच्छा बस बिहारक विकास अछि संगहि हिंदी आओर अन्य क्षेत्रीय भाषाक अखबारक कतार मे मैथिलियो के देखय चाहैत छी. हम ओकर समकक्ष बैसय चाहैत छी. हम चाहैत छी, जे बिहारक विकास मे हुनकर संग हमरो योगदान रहे. हम एक-दोसर के गलती के उभारि आओर राज्य-देश के सामने उचित गप के राखी. तेसर गप इ जे हमर विशेष उद्देश्य की अछि? हमर अखबार मे लिखल अछि जे "आउ आब लौट चली", बिहार विकासक मार्ग पर चलि चुकल अछि. ओ समय बीत गेल जखन के-कोना जा रहल अछि, एकर ज्ञान नहि छल. आइ सब मिल के विकसित बिहार बनेबा मे जुटल अछि. राजनीतिक दिशा बदलि गेल. नेताक भाषा बदलि गेल आओर बदलि रहल अछि आम लोकक मानसिकता. अपन धरती राजनीतिक सोच लेल विख्यात रहल अछि. नेता हमरा लोकनि के विकास वर्षः से हटा के एकवि धरि धरना, मोरचा व यूनियन मे झोंकैत रहला. अखबारो इ विचार स सहमत रहल जे बिहार मे राजनीति व अपराध आसानी स बिका जाइत अछि. इ धारना कोनो समाजक विकास लेल खतरबाक अछि. हमर लक्ष्य मात्र बिहारक गौरव बढ़ेबाक अछि. हम अपन समाज मे स्वाभिमानक संचार करबाक प्रयास करब. ककरो बिहारी होएबा मे संकोच नहि हेबाक चाही. इ स्वाभिमान अपन संस्कृति व संस्कार के बचेबा पर भेटत. जखन हमरा मे आत्म गौरव होयत त बाहरी लोक-वेदो हमरा आदर आ सम्मानक नजरि स देखताह. जखन हमर घर नीक रहत तखन कियो हमरा नीच नहि कहत, मुदा हम इ बिसरि जाइत छी कि हम आइ कमाइ जरूर बाहर छी, मुदा हमर घर एखनो बिहार मे अछि. राजनीतिक सुधार, नव परिषद आदिक संबंध मे हम अपन मत दैत रहब, मुदा मूल मंत्र बस इएह जे बिहार व मिथिलाक गौरव बढ़ए. बिहार व बिहारीक नाम आदर स लेल जाएत, जे-जे घटना व काज स एहन होयत हम ओकर पक्षपाती छी. जे एकर विपरीत होयत, हम ओकर विरोधी छी. एकर संग इ कहब सेहो जरूरी अछि जे हम देश स अलग कोनो समूह बनेबाक प्रयास नहि क रहल छी. बस जाति-धर्मक आधार पर बंटल बिहार के हम एकसूत्र मे बान्हबाक प्रयास क रहल छी. स्वामी विवेकानंदक कहने छथि जे ककरो निजी जीवन से हमरा लोकनिक जिज्ञासा नहि रहबाक चाही, हम केवल ओकर सामाजिक जीवनक गप पर विचार करी.

हम इ गपक हरदम प्रयास करब जे अपन घर उंच करबाक प्रयास मे दोसरक घरक दीवार के क्षति नहि होइ. हां, घरक निर्माण मे अगर केओ बाधा देबाक प्रयास करत त हम ओकर प्रतिकार करब. बिहार मे समाचारक मतलब केवल राजनीति आ अपराध होइत अछि, मुदा राज्यक एक मात्र अंग राजनीति नहि थिक. आर्थिक, सामाजिक आ वैज्ञानिक बदलाव पर हमर नीति स्पष्ट अछि. दुनियाक संग हमहूं सतत विकास से संग चलब. शिक्षा व कृषि क्षेत्र मे भ रहल बदलाव के पत्र मे अलग स जगह देबाक प्रयास रहत. एहि क्षेत्र मे हम कोना आगू बढ़ि सकैत छी, तकर रास्ता देखेबाक सेहो प्रयास करब.

बाकी पेज तीन पर

हर–हर गंगे

मकर संक्रांतिक अवसर पर गंगा स्नान लेल जुटल भीड़.

चालू होयत चीनी मिल

60 सालक लीज पर देल गेल लोहट सहित 11 टा बंद मिल

सुगौली, लौरिया आओर हथुआ के लेल हिंदुस्तान पट्रोलियम, मोतीपुर के लेल रिलायंस, लोहट के लेल राल्स कॉम, रैयामक लेल एसएस इंटरप्राइजेज, सीवान, सकरी, समस्तीपुर गुरारू, न्यू सीवान आओर बिहटाक लेल बियाडाक दोयदारी मानल गेल अछि.

नीतिश मिश्र
गन्ना विकास मंत्री

मुख्य समदिया

पटना : राज्य मे बंद पड़ल 11 टा चीनी मिल के खुलबाक रास्ता साफ भ गेल. रिलायंस आओर हिंदुस्तान पट्रोलियम सहित कुल चारि टा बड़का कंपनी एहि मिल के चलेबाक जिम्मा लेत. एहि सप्ताह एहि मिल सब लेल भरल गेल टेंडर के खोलल गेल आओर सबसे बेसी टाकाक दावा ठोंकेवाला कंपनी के मिल देबाक नीतिगत फैसला सेहो ल लेल गेल. बताउल जा रहल अछि जे 11टहो मिल 60 सालक लीज पर देल जा रहल अछि. लंबा अवधि लेल लीज पर इ मिल सबके देला स सरकार के कुल 300 करोड़ टाका खजाना मे आउत. सबसे अहम गप इ अछि जे बियाडा सन बिहारी कंपनी के छहटा मिल चलेबाक जिम्मा भेंट गेल अछि. हालांकि मोतीपुर मिल के परती पड़ल जमीन पर एकटा सीमेंट फैक्टरी लगेबाक सेहो प्रस्ताव आयल अछि. ओना बनमनखी, गरौल आ वारशलीगंजक मे स्थित मिल लेल सरकार लग एकोटा प्रस्ताव नहि पहुंचल. गन्ना विकास मंत्री नीतिश मिश्र एहि संबंध मे कहैत छैथि जे ओ तीनू मिल लेल जल्द फेर स टेंडर आमंत्रित कैल जायत. श्री मिश्र जोर द के कहैत छैथि जे कोनो मिल बेचल नहि जा रहल अछि. बल्कि 60 साल लेल लीज पर देल जा रहल अछि. इ अवधि 30 साल लेल आओर बढ़ाउल जा सकैत अछि. एसबीआइ कैप्सक सूत्रक अनुसार सुगौली, लौरिया, हथुआ, मोतिपुर, लोहट आओर रैयाम के लिए देशक पैंच-पैंच कंपनी अपन दावेदारी प्रस्तुत केलक अछि. सुगौली, लौरिया आओर हथुआ के लेल हिंदुस्तान पट्रोलियम सबसे बेसी बोली लगौलक अछि. जखन कि मोतिपुर के लेल रिलायंस सबसे बेसी बोली लगौलक अछि. लोहट के लेल राल्स कॉम आओर रैयामक लेल एसएस इंटरप्राइजेज सबसे बेसी बोलि लगौलक. सुगौलीक लेल सरकार सुरक्षित दाम 45.40 करोड़ रखने छल, जखन कि एचपीसीएल ऐहि मिल लेल 50 करोड़ टाका बोली लगौलक अछि. तहिना एचपीसीएल लौरिया के लेल 29.64 करोड़क सुरक्षित दामक जगह 45 करोड़ आओर हथुआ के लेल 41.96 करोड़क जगह 50 करोड़ टाकाक बोली लगौलक अछि. मोतिपुरक लेल रिलायंस 55.36 करोड़ आरक्षित दामक आगू 57 करोड़क दावा पेश केलक अछि. लोहट के लेल राल्स कॉम, दिल्ली 26.14 करोड़क सामने 28 करोड़क दावा पेश केलक अछि. जखन कि रैयामक लेल एसएस इटरप्राइजेज 8.35 करोड़क

बाकी पेज तीन पर

25 हजार मे कोना बनत मकान

पटना : बिहार सरकार बाढ़ग्रस्त इलाका मे टूटी गेल मकानक बदला मे एकटा पक्का मकान बनेबाक योजना आरंभ केलक अछि. कैबिनेटक बैठक मे इ योजना के मंजूरी द देल गेल. योजनाक अनुसार प्रत्येक मकान लेल सरकार 25 हजार टाका उपलब्ध कराउत. एहि योजनाक अनुसार बाढ़ ग्रस्त इलाका मे कुल पांच लाख मकान बनत, जाहि पर कुल 1250 करोड़ टाका खर्च होयत. मंत्रीमंडल के प्रधान सचिव गिरीश रंजनक अनुसार राज्य के 22 बाढ़ग्रस्त जिला मे मुख्यमंत्री आवास योजना लागू कैल गेल अछि. अहमे सीतामढ़ी, अररिया, बेगूसराय, दरभंगा, खगड़िया, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, शिवहर, सुपौल, प चंपारण, पू चंपारण,गोपालगंज, कटिहार, मधुबनी, नालंदा, पटना, सहरसा, सीवान, वैशाली आओर पूर्णिया शामिल कैल अछि. कुल 1250 करोड़क इ योजना मे वर्तमान साल मे 350 करोड़ टाका देल जा रहल अछि, बाकी टाका अगिला साल देल जायत. श्री रंजनक अनुसार इ योजनाक तहत ओकरा 25 हजार टाका देल जैत जेकर मकान बाढ़ मे टूटी गेल या ध्वस्त भ गेल. मुदा सवाल उठैत अछि इ जे 25 हजार मे कोन मकान बनत. एकटा त भारत मे सरकार लग स चलल टाका आम लोक लग पहुंचैत-पहुंचैत आना मे बदली जाइत अछि. ओहि पर स जल स लड़बा जोकर मकान बनेबा मे 25 हजार कतेक मदद करत इ सरकारो जनैत छैथि. तखन त कहबा लेल ठीक अछि जे आगूक बाढ़ मे ध्वस्त होइवाला मकान सरकारक देल टाका स तैयार गेल छल, सरकार एहिना आम लोकक टाकापाइन मे बहबैत रहय. कियेक त सब साल बाढ़ आउत आ एहन मजबूत मकान बहा के ल जायत.उचित होयत जे सरकार कंक्रीटक एकटा एहन सामुदायिक मकान तैयार करै जाहिमे कम-स-कम दस टा परिवार रहि सकै. एहि स मजबूत मकान बनत आओर जमीनो कम लागत.

इ अछि अप्पन बिहार : गर्व करू सुनीता पर

जालसाजी केलक पति त ठोकि देलेथि मुकदमा

स्कूल भवनक निमार्ण लेल पांचक जगह निकालि लेलेथि 85 हजार

गोपालगंज : कहल जाइत अछि जे महिला सब पुरुष स अधिक ईमानदार होइत छैथि. गोपालगंजक घटना स इ धरना के बल भेटल. शिक्षा समितिक सचिव सुनीता देवी आइक युग मे एकटा मिसाल बनी गेली. ओ अपन पतिदेव के उपर जालसाजी के मुकदमा ठोकह देलैथि. एहि काज लेल हुनका घर मे भारी विरोधक सामना करय पड़ि रहल छैन. मुदा ओ आम लोकक पाइ स खिलवाड़ उचित नहि मानैत छैथ.

इ मामला गोपालगज जिलाक बैकंठपुर थाना क्षेत्रक राजकीय विद्यालयक,दुबौली स जुड़ल अछि. प्राथमिक विद्यालयक भवन निमार्ण लेल 14 नवंबर के प्रधानाध्यापिका सुशीला देवी आओर शिक्षा सचिव सुनीता देवी अवधेश कुमार के पांच हजार टाकाक चेक देलखिन. कहल जाइत अछि जे अवधेश कुमार सुनीता देवीक पतिदेव छथिन. आम पतिदेव जेका ओहो अपन कनिया के सामान्य मांगी मानि लेने छेलाह. स्कूल भवनक लेल कनियाक माध्यम स भेटल पांच हजारक चेक पर ओ 85 हजार रुपया निकालि लेलैथि. बैंकक प्रबंधक के शंका भेल आओर ओ इ गप स्कूलक प्रधानाध्यापिका के कहल. प्रधानाध्यापिका तुरंत इ गप शिक्षा समितिक सचिव के कहलक. शिक्षा समितिक सचिव सुनीता देवी तत्काल समितिक आपात बैठक बजोलेथि. समितिक बैठक मे सुनीता देवी आम लोकक टाका के जालसाजी स निकालि लेबाक लेल अवधेश कुमार के जिम्मेदार मानि स्थानीय थाना मे प्राथमिकी दर्ज करबाक प्रस्ताव रखैथि. सुनीताक प्रस्ताव पर सर्वसम्मति बनल. प्रधानाध्यापिका आ सुनीता देवी थाना पहुंच अवधेश कुमारक खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करौलैथि. सुनीताक निर्णय समुचा बिहार मे कहानी जेंका सुनायल जा रहल अछि. नीतीश सरकार मे महिला के भेटल 50 फीसदी आरक्षण के इ घटना स बल भेटल अछि. ओनाओ भारती आओर गौतमीक धरती पर एहन महिला जनम एखनो भैये रहल अछि, इ शुभ समाद छी.

छोट–छोट समाद

शहनाज हुसैनक बेटा केलक आत्महत्या

पटना : प्रख्यात ब्यूटीशियन शहनाज हुसैनक बेटा समीर पटना क एग्जीबिशन रोड स्थित मकबूल अपार्टमेंटक तेसर मंजिल स कूदी के आत्महत्या करि लेलैथि. पटना समीर सासुर छियेन आओर समीर अधिकतर अपन ससुरक मकान मे रहैत छलाह. कहल जा रहल अछि जे पिछला किछु दिन स ओ मय शहनाज स तमसायल छलाह. हुनका 60 साल मे मय के दोसर विवाह स्वीकार नहि छल. ओना पुलिस एकरा एकटा सामान्य घटना मानि रहल अछि, गप आओरो अछि.

दिल्ली में खुलल मैथिली भोजपुरी अकादमी

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार अंतत मैथिली आओर भोजपुरी अकादमी खोलबाक निर्णय ल लेलक. सात जनवरी के आयोजित कैबिनेटक बैठक में एहि पर मुहर लागि गेल, मुख्यमंत्री शीला दिक्षित एहि अकादमीक पदेन अध्यक्ष हेती. एहि संबंध में शीला दीक्षित कहलैथि जे शीघ्र दुनू अकादमीक स्थापना कैल जैत. दिल्ली में मैथिली बजनीहारक संख्या काफी अछि. मैथिली के नजरअंदाज नहि कैल जा सकैत अछि.

एके चौधरी बनलाह बीपीएससीक अध्यक्ष

पटना : पूर्व मुख्य सचिव अशोक कुमार चौधरी के बिहार लोक सेवा आयोगक अध्यक्ष बनाओल गेल अछि. ओ पिछला साल नवंबर में रिटायर्ड भेल छलाह. श्री चौधरी वर्तमान अध्यक्ष एके अग्रवालक जगह लेलाह. श्री अग्रवाल 14 जनवरी के रिटायर्ड भय गेलाह. श्री चौधरी 2010 तक इ पद पर रहताह. पद भार ग्रहण केलाक बाद श्री चौधरी कहला जे परीक्षा मे पारदर्शिता आनब हुनकर पहिल काज रहत.

नालंदा में अगिला साल स पढ़ाई शुरू

पटना : नालंदा में प्रस्तावित विश्वविद्यालय में अगिला साल स पढ़ाई शुरू भ जायत. इ दावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक छी. ओ दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति आ इ विविक विजिटर डॉ कलाम स भेंट केलाक बाद समदिया सब स गप मे कहलैथि जे श्री कलाम अगिला माह बिहार अउता. ओ नालंदा सेहो जेता. हुनक मार्ग दर्शन में आगूक काज निबटाउल जैत. ओना डा वाइएस राजनक नेतृत्व में एकटा कमेटी बनाउल गेल अछि जे विविक पाठक्रम तैयार क रहल अछि. एहि विवि लेल 500 एकड़ जमीन अधिग्रहित अछि, जखन कि 500 आओर अधिग्रहन करबाक अछि. एहि विविक स्थापना पर 700 करोड़ खर्च होयत.

छोट–छोट समाद

जलमार्ग–1 पर शुरू होयत कनटेनर प्रणाली

पटना : आब गाय घाट जेटी पर कनटेनर प्रणाली शुरू भ जायत. एकरा लेल प्रयास तेज करि देल गेल अछि. एकरा लेल साल भरि पहिने एकटा निजी कंपनी एकटा प्रस्ताव सौंपने रहैय. जलपोत परिवहन विभाग ओ प्रस्ताव के सैधांतिक रूप से मानि लेलक अछि. कनटेनर प्रणाली लागू भेला स एक बेर में 20 स 25 टन माल लादल जा सकैत अछि. सड़क आओर रेल मार्ग जेंका जल मार्ग के विकसित करबा लेल इ योजना काफी नीक रहत.

आठवीं क किताब स लालूक विदाई

पटना : बिहार सरकार आठवीक किताब सं लालू प्रसाद के हटा देलक अछि. शिक्षामंत्री क अनुसार आठवी मे पढाउल जा रहल गद्य सोपान मे कर्पूरी ठाकुर आओर भोला पासवान शास्त्री संग आब लालू प्रसादक जीवन बच्चा नहि पढत. सरकारक इ फैसला पर राजद काफी तमसायल, मुदा सरकार नहि मानल. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक एतेक धरि कहि देलैथि जे लालूक जीवन एखन बाकी अछि. पूरा हेबाक बादे हुनक जीवनक आदर्श ताकल जैत.

फरवरी मे लौटत आवेदनक पाइ

पटना : बिहार सरकार शिक्षक नियुक्तिक लेल देल गेल आवेदन संग पाइ लौटेबाक निर्णय लेलक अछि. इ पाइ ओना लालू–राबड़ी राजक दौरान लेल गेल अछि. ओहि समय में आवेदन लेलाक बाद चयन प्रक्रिया रोकि देल गेल. जाहि स ककरो नौकरी त नहिये भेटल उलटे पाइ सेहो डूबि गेल छल. बिहारक नव सरकार पिछला साल एक लाख शिक्षकक नियुक्ति केलाक बाद 2003 स बैंक में जमा आवे. दनक पाइ के आवेदक के लौटेबाक प्रक्रिया शुरू करि देलक अछि.

लोकभाषा रहत तखने संस्कृति बचत : वृशिण

पटना : शिक्षामंत्री वृशिण पटेलक कहब छैन जे लोकभाषा बचत तखने संस्कृति बचि सकत. श्री पटेल विद्यापति भवन में गौरीनाथ झा व्याख्यानमाला मे बाजि रहल छेलाह. श्री पटेल कहलैथि जे भूमंडलीकरणक इ दौर मे क्षेत्रीय भाषाक विकासक लेल आगू आबय पड़त. मैथिली आइ अपन सांस्कृतिक बल पर जीव रहल अछि. संस्कृति भाषा के आओर भाषा संस्कृति क बचा रहल अछि. मुदा समय रहैत अगर हम सब सक्रिय नहि होयब त खतरा आओर बढ़ि जायत. एहि अवसर पर श्री पटेल तीन गोट किताबक लोकार्पण सेहो केलैथि

पटना मे अमेरिकाक विधायक रघु झा स गप करैत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

आखिर बिहारक गलती की छैक

बिजली संकट पर बिहार केंद्र कें पत्र लिखलक

समदिया

पटना : बिहार सरकार बिजली संकट स परेशान अछि. बिहार के तय कोटा स कम बिजली भेटि रहल छैक. ओना बिहार में बिजली पैदा करबाक प्रयास भ रहल अछि, लेकिन ओकर जमीन पर अबैय में एखन समय लागत. देखल जे त बिहार में केंद्रीय कोटा स जे बिजली भेटि रहल छै ओ काफी नहि छैक.मुदा ओतबो बिजली बिहार के भाग्य में नहि अछि. बिहारक कोटाक बिजली आन राज्य के देल जा रहल अछि, बिहार सरकार इ गप पर गंभीर अछि. पत्र लिखी केंद्र से पूछल गेल अछि जे बिहार की गुनाह अछि जे बिहारक कोटाक बिजली आन राज्य में बांटल जा रहल अछि, जखन की बुझल अछि जे बिहार में बिजलीक उत्पादन नहि के समान अछि. एनटीपीसी तीन माह के बदला में दू साल बितलाक बादो कांटी थर्मल में चालू नहि क सकल अछि. बरौनी किछुं बिजली दिय लागल अछि. फरक्का, ताल आओर कहलगांव ठप होइत रहैत अछि. बिजलीक बिना बिहार केंद्रक सौतला व्यवहारक प्रमाण अछि. बिहारक खेत में पानी नहि पहुंच पाबि रहल छैक. सरकार चाहियो के किसान के बिजली नहि द पाबि रहल छैक. राजधानी में त बिजली कोनाओ उपलब्ध भ रहल अछि, मुदा जिलास्तर पर बिजलीक दशा बहुत खराब अछि. बिहार सरकार केंद्रीय पुल से जे बिजली लैत अछि ओहि में स एकटा पैघ हिस्सा समझौताक अनुसार रेलवे आओर नेपाल के दैत अछि. एहन में बिहार सरकार केंद्र से साफ कहि देलक जे लगातार केंद्रीय पुल स कम बिजली भेटला पर रेलवे आओर नेपाल के बिजली देबा में बिहार असमर्थ अछि. बिहार सरकार इ स्पष्ट करि दिय चाहैत अछि जे किसान आओर छात्र बिजली लेल तरपत त केंद के राज्यक संगं केल जा रहल व्यवहारक उत्तर देबा लेल मजबूर हुए पड़त. कुल मिला के बिजलीक सवाल पर बिहार में सब दल एक अछि आओर 17 जनवरी के मुख्यमंत्री सब दलक नेता संग बैठक करि रहल छैथि, जाहि मे केंद्र से बिजली लेबा लेल रणनीति बनाउल जायत

आप्रवासी भारतीय केलैथि राज्य में पहिल निवेश

देशक पहिल मल्टीमीडिया संग्रहालय नालंदा मे

दस करोड़क लागत स होयत संपूर्ण 26 जनवरी से शुरू होयत

समदिया

नालंदा : बिहारक बदलल मौसम में आप्रवासी भारतीय बिहार में निवेशक श्रीगणेश करि देलैथे. संभवत पहिल निवेश अंतरराष्ट्रीय पर्यटक नालंदा मे भेलेय. दस करोड़क लागत स नालंदा में देशक पहिल मलटीमिडिया संग्रहालयक निमार्ण शुरू भ गेल. नालंदाक जिलाधिकारी आनंद किशोर विधिवत रूप से सरकार स भेटल स्वीकृति पत्रा प्रवीन भारत पर्यटन, बेंगलुरु के सीइओ नवीन कुमार शर्मा के सौंपलाह. स्वीकृति पा सौंपबाक औपचारिकताक संगहि संग्रहालयक निमार्ण कार्य शुरू भय गेल. कहल जा रहल अछि जे 6–7 जनवरी 2006 के हैदराबाद मे आयोजित आप्रवासी भारतीयक सम्मेलनक दौरान बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व प्रवीन भारत पर्यटन, बेंगलुरुक बीच पर्यटन स्थानक विकासक परियोजना पर सहमति बनल छल. जाहि मे आप्रवासी भारतीय निवेशक इच्छा जतेने छेलाह. सीइओ श्री शर्माक कहब छैन जे कि पब्लिक–प्राइवेट पाटनरशिपक आधार पर नालंदा में स्थापित होयवाला मलटीमिडिया संग्रहालय देशक अपन सन पहिल संग्रहालय होयत. इसके निमार्ण स नालंदा जिलाक विरासत के पर्यटकक समुख तसवीरक जरीये प्रस्तुत करबाक प्रयास कैल जैत. एकरा कोनो हालते 26 जनवरी, 2008 तक आम लोक ले खोलि देल जायत. संग्रहालयक विशेषताक चर्चा करैत सीइओ श्री शर्मा कहलैथि ने अइमे शुरू में छह प्रभाग होयत. भौगोलिक प्रदृश्य प्रभावक जरीये नालंदा स पूरा देशक पर्यटन स्थलक सब तरहक जानकारी देल जैत. एतिहासिक परिदृश्य प्रभागक जरीये नालंदाक अतीतक दर्शन करायल जायत. तेसर प्रभाग एनिमेशन सीडीक होयत. एक बेर फेर नालंदा स दुनिया आओर दुनिया नालंदा के देखि सकत.

कृषि विकास मे बिहार अव्वल

आर्थिक सुधारक बाद पंजाब के 14वां स्थान, बिहारक गति सबसे तेज

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडिगढ़ मे अर्थशास्त्रक शिक्षक गुरूमेल सिंह के मानी त बिहार मे आर्थिक उदारीकरणक बाद खेतीक विकास सबसे तेज गति स भ रहल अछि. जखन कि पंजाब 17 राज्यक सूची मे 14वां स्थान पर पहुंच गेल अछि.

समदिया

नयी दिल्ली: खेती में कखनो सबसे उपर रहल पंजाब आर्थिक सुधार के बाद कृषि विकासक मामला में सबसे पाछू वाला राज्य में स एक भय गेलैक अछि. जखन की बिहार अइ रेस में सबसे आगू अछि.

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडिगढ़ में अर्थशास्त्राक शिक्षक गुरुमेल सिंह के मानी त बिहार में आर्थिक उदारिकरणक बाद खेतीक विकास सबसे तेज गति से भय रहल अछि. जखन की पंजाब 17 राज्यक सूची में 14वां स्थान पर पहुच गेल अछि. ओना पंजाबक इ हाल के राज्य सरकारो स्वीकार कय रहल अछि. सिंह जी अपन शोध में कहलाह कि पंजाबक माटी बांझ भय रहल अछि. संगहि तकनीको आब पुरान भ गेल अछि. एकर अलावा खराब मौसम आओर खाद्य तेल संग वस्तुक आयातांक मामला पंजाबके पाछू धकेलबा मे मददगार रहल. 30 साल तक लगातार चारि प्रतिशत स बेसी विकास दर बना के रखलाक बाद 1990क दशक में पंजाबी कृषिक संट पहाड़क नीचा आबि गेल. पिछला 15 साल स खेती पर जनसंख्या क दबाव बढ़ला स ओकर विकास ठमकि गेल अछि. हैरतक गप अछि जे उर्वरता के बचेबा लेल किछु नहि भय रहल अछि, जखन कि बिहार मे तरकारी आओर अन्य वस्तुक पैदावार अधिक करबाक कारणे सूची में सबसे उपर अछि. बिहार में खेतीक विकासक दर 4.4 प्रतिशतक आसपास अछि. पंजाबक मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल स्वीकार करैत छैथ जे पंजाब आब बिहार स पिछड़ी गेल अछि, लेकिन अइ लेल जिम्मेदारी दिल्ली पर लादी देलाह. हुनक कहबा छैन जे हालांकि पंजाबक दू प्रतिशत किसाने केंद्रीय पुल के ओकर 60 प्रतिशत अनाज दय रहल छैथि, लेकिन हुनका नीक दाम नहि देल जा रहल अछि. जरूरत अछि अनाजक दाम बाजारक अनुरूप तय करल जाय. जखन धरि इ नहि होयत किसानक भला नहि होयत. ऐहि में पंजाब सरकार किछु कय नहि सकैत अछि, इ पूर्णत रूप स केंद्रक जिम्मा में अछि. मुदा ओ कई प्रश्नक उत्तर नहि दय सकला जे विपरित परिस्थितियो में बिहार सबसे उपर कोना भय गेल. निश्चित रूप से बिहार किसान आब राज्यक विकास में अपन योगदान ओहिना दय रहल छैथि जेका 60क दशक मे पंजाब किसान देने रहैथि.

नहि चलत उपनिवेशवाद, लागल प्रतिबंध

पांच दिनक शुटिंग के बिना नहि भेटत बिहार–झारखंड मे सिनेमा हाल

भोजपुरी सिनेमा देखत बिहारी आ कमा रहल अछि मराठी

एहि स बिहार मे सिनेमाक निर्माण आओर विकासक रास्ता खुलत. एतबे नहि ऐहि स राज्यक छोट–मोट कलाकारो के अपन प्रतिमा देखेबाक अवसर भेटतैय.

डा सुनील
सदस्य बिजेपा

समदिया

पटना : बिहार मे जइ भोजपुरी सिनेमाक कम–स–कम पांच दिन तक शुटिंग नहि होयत एहन सिनेमाक बिहार में प्रदर्शन बिहार –झारखंड में आब संभव नहि होयत. बिहार–झारखंड मोशन पिक्चर एसोशिएशन इ एलान केलक. बिजेपा क वरिष्ठ सदस्य व जदयूक विधायक डा सुनीलक कहलैन जे एशोसिएसन भोजपुरी सिनेमाक लेल कम–स–कम पांच दिन तक बिहार में शुटिंग के अनिवार्य घोषित कय देलके. जे निर्माता अइ निर्देशक पालन नहि करताह हुनकर सिनेमा बिहार–झारखंड में रिलिज नहि हैत. ओ कहलैनि जे एहि स बिहार में सिनेमाक निर्माण आओर विकासक रास्ता खुलत. एतबे नहि ऐहि स राज्यक छोट–मोट कलाकारो के अपन प्रतिमा देखेबाक अवसर भेटतैय. बिजेपा भोजपुरी सिनेमा लेल पहिनो एहन निर्देश जारी केने रहय. ओहि आदेशक अनुसार भोजपुरी सिनेमाक कोनो कलाकार अगर 15 लाख स अधिक मेहनताना मगेत छैथि, त हुनकर सिनेमा सेहो कोनो हाल मे नहि लागत. हालांकि इ कार्रवाई तखनहि होयत कोनो निमार्ण एहि संबंध मे बिजेपा में लिखित रूप स शिकायत करताह. बिजेपा के शिकायत भेटल छल जे भोजपुरी सिनेमाक दू टा पैघ कलाकार में काज करबा लेल 30 स 40 लाख तक मांगि रहल छैथ. बिजेपा ने भेजपुरी आओर भेजपुरी सिनेमा के विकासक लेल किछु और कदम उठेलक अछि. मुंबई में भेजपुरिया हेल्प सेंटर खोलल गेल अछि. अइ सेंटर में भेजपुरी सिनेमा स जुड़ल लोक–वेदक समस्या सुनल जायत आओर ओकर निबटारा केल जाएत. बिजेपा ने मुंबई सिनेमा उद्योगक अनेक पैघ हस्ति के अपन कानून स बांधबक काज केलके. हाले मे बिजेपा ने मिथुन दाक सिनेमा पर लगाम लगेबा में सफलता पैलक अछि. हुनकर सिनेमा के बिहार–झारखंड मे प्रतिबंधित के दल गेल अछि. एहि स पूर्व मणिरत्नमक सिनेमा गुरू के सेहो बहुत दिक्कत भेल रहैय. एहि सिनेमा के बिना निबंध के बिहार में रीलीज कय देले गेल रहै. एहि आरोप मे पटना के एकटा सिनेमा हाल के सप्ताह भरि लेल बंद तक कय देल गेल रहै. एतबे नहि सिनेमाक वितरक पर सेहो प्रतिबंध लगा देल गेल रहै.

फरमान

- बिना निबंधित सिनेमा रीलीज कनिहार कें भेटत सजा
- 25 लाख स बेसी मेहनताना लै वाला पर कसलक लगाम
- मुंबई में खुजल बिजेपाक हेल्पलाइन

रवि किशन मंगलैथि क्षमा सुलह के बाट खुजल

पटना : बिजेपा द्वारा प्रतिबंध लगेला स दुखी रवि किशन आखिर कार मिथुन दाक संग छोड़ि देलैथि. ओ बिजेपा आ बिहारक लोकक भावनाक आदर करैत पहिने कहल अपन गप पर क्षमा मांगि लेलैथि. रविक क्षमा मंगला स बिजेपा सेहो हुनका प्रति नरम भेल आओर हुनक प्रतिबंध खतम हेबाक संभावना बढ़ि गेल. सूत्र कहैत अछि जे बिजेपाक प्रतिबंधक कारण करीब 50टा भोजपुरी सिनेमा रीलीज नहीं भ रहल अछि. एहन में भोजपुरी सिनेमाक विकासक लेल प्रतिबंध कम आओर बरबाद करैक लेल बेसी कारगर बुझना में आबि रहल अछि. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आओर भाजपा नेता शत्रुघ्न सिन्हा तक बिजेपा स प्रतिबंध हटा लेबाक आग्रह केलैथि अछि. बिजेपा सूत्र कहैत अछि जे प्रतिबंध हटेबा पर निर्णय लगभग ल लेल गेल अछि. कखनो विधिवत कहल जा सकैत अछि.

मैथिली सिनेमा

विवाह सन सिनेमा कियेक नहि चलत, मुदा बनय त

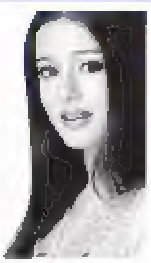

पटना : मैथिली पत्रिका जेंका मैथिली सिनेमा सेहो कम बनल आओर जे बनल ओ बाजारक अनुरूप नहि बनाउल गेल. सच पूछि त आइ धरि जे मैथिली में सिनेमा बनल ओ मूल रूप स समाज सेवा छल. ओना त मैथिली में अनेक सिनेमा बनि चुकल अछि मुदा सस्ता जिनगी महग सेनूर के छोड़ि दी त मात्रा ममता गावे गीत अपन खर्च निकालि पैलक. ममता गावे गीत हिट भेल मुदा ओ अपन कहानी या अभिनय स बेसी मैथिली में आयल सिनेमाक कारणे लोक–वेद के हाल तक खिंचलक. सस्ता जिनगी महग सेनूर जहिया सिनेमा हाल में लगाल, ओकरा देखनिहार नहि भेटल. ओ त संयोग छल जे किछु नव तुरिया हो–हल्ला करि के सिनेमा के चर्चित बना देलैथि आ दू दिनक बाद दरभंगा में ओकर टिकट भेटब कठिन भ गेल. कारण इ जे सस्ता जिनगी. के प्रचारित नहि कैल गेल. लोक के बुझले नहि छेलैक जे मैथिली सिनेमा बनि रहल छैक. सस्ता जिनगीक हिट भेलाक बाद ओकरा भजेबा मे भोजपुरी आगू रहल. मैथिली में आए पिया हमर नगरी सन बकवास सिनेमा बना के बनल बाजार के मणिकांत बाबू चैपट कय देहल. जेकर असर सेनूरक लाज के उठावय परल. निक कहानी रहितो लोक देखैलेल नहि गेल. एकटा निक सिनेमा बनैत अछि आओर ओकर बाद दू टा खराब बनला स बाजार टूटी जाइत अछि किया कि हिंदी आओर अन्य बोली जेका मैथिली में हर सप्ताह या महिना सिनेमा नहि बनैत अछि. जरूरत अछि ऐहन मैथिली सिनेमा के जे कहानी मिथिला के हुए आओर व्यवहारिक हुए. कारण जेकर बिवाह अइसन सिनेमा मैथिल खूब देखैत छैथ, मुदा मैथिली में एहन सिनेमा बनिते कहा अछि.

पेज एकक बाकी बचल समाद

हाजिर छी...

किएक त हम जनैत छी जे बिना धन के आ बिना संपति के हमर जीवन निरर्थक अछि. हमर उन्नति मे बिहारक उन्नति अछि. पत्रक एकटा कोन महिला आ बच्चो लेल सुरक्षित रहत. आब केवल एकटा गप रहि गेल. मैथिली कोना लिखल जाय. मैथिली बोली आओर भाषा में अंतर अछि. हिंदी देश मे 64 प्रकार स बाजल जाइत अछि आओर तीन प्रकार स लिखल जाइत अछि.

बंगाली आओर अंगरेजीक संग कुछ एहने समस्या अछि. मुदा मैथिली एक तरहे लिखबाक प्रयास एकर विस्तारक लेल घातक अछि. मैथिली के भाषाक दर्जा भेटबा मे एकर निर्धारित वर्तनीक महत्वपूर्ण योगदान रहल. आइ धरि भोजपुरी आ मगही मे मानक वर्तनी नहि बनि सकल अछि. रमानाथ झा आ सुभद्र झा के हम सभ एहि लेल आभारी छी. मुदा रमानाथ बाबू पर किछु लोक आरोप लगेलनि जे ओ मैथिलीक दू टा बोली के मानक नहि मानि गलती केलाह आ आइ ओ दोसर भाषाक रूप मे पहचान बना रहल अछि. सवाल उठैत अछि जे हिंदी मे 'मेरे को–तेरे को' खूब प्रयोग होइत अछि. 'अपुन' सन शब्द शब्दकोश मे नहि अछि. मुदा स्कूल–कालेज मे ऐहि शब्दक प्रयोग नहि होइत अछि.

मैथिली में एहन छूट रमानाथ बाबू सेहो देलाह. हुनक अनुसार मानक केवल साहित्य लेल अछि. आ हम साहित्यक पन्ना मानक मैथिली में लिखबाक प्रयास करब. ओना अखबारक वर्तनी मिथिला क्षेत्र मे जेना बाजल जाइत अछि तहिना लिखल जायत. बाकी फेर कहियो जय मिथिला, जय बिहार, जय भारत.

चालू होयत...

जगह 12.11 करोड़ दावा पेश केलक अछि. मोतिपुरके परती परलजमीन पर सीमेंट फक्टरी लेल रनको, चिन्नइ आओर शाही फाइनेंस सेहो अपन–अपन दावा पेश केलक अछि. एकर अलावा सीवान, सकरी आ समस्तीपुर गुरारू, न्यू सीवान आओर बिहटाक लेल बियाडाक दोवदारी सब स मजबूत निकलल.

मिल खोलबाक लेल दिन–राति एक कनिहार श्री मिश्र कहैत छैथि जे बाकी बचल मिलक लेल सेहो फरवरी तक अेंडर निकलि जायत. श्री मिश्रक कहबा छैन जे बाकी बचल मिल के नव टेंडर स पहिने ओकर जमीनी स्थितिक फेर स मूल्याकन कैल जायत. ओकर बाद कोनो प्रकारक संशोधन भ सकैत अछि. ओना ओ साफ कहैत छैथि जे एहि काज में कोना एहन रास्ता नहि चुनल जायत जे राज्यक विकास लेल बाधक होयत. हुनका उम्मीद छैन से सरकारक प्रयास स जल्द बाकी बचल मिल सेहो चालू भ जायत. श्री मिश्र कहैत छैथि जे 11 टा चिनी मिलक टेंडर खुललाक बाद कंपनीक चुनाव भ चुकल अछि. आब मंत्रिमंडलक मंजूरीक बाद जनवरीक अंत धरि कंपनी के मिल सौंपबाक पत्र द देल जायत. श्री मिश्रक अनुसार सरकारक पत्र लेबा स पूर्ण चयनित कंपनी के दावा राशिक 40 प्रतिशत राशि मजा करय पड़त. सरकार स समझौता पत्र भेटलाक बाद कंपनी के बैंक अथवा अन्य आर्थिक एजेंसी स टाका लेबा में मदद भेटत. श्री मिश्र के उम्मीद छैन जे सब किछु ठीक रहल त अगिला साल लौहट स गरौल तक आओर सीवान स हथुआ मिठास मे डूबी जायत. फरवरीक अंतिम सप्ताह में राज्य सरकार कंपनी के समझौता पत्र सौंपी देत. एकर बाद इ मिल सबसके चालू करबा लेल सरकार आओर आम आदमीक दबाव कंपनी पर बढ़ि जायत. आशा कैल जा सकैत अछि जे अगिला साल तक किछु मिल पूर्णत त किछु अंशत चालू भ जायत.